1 अप्रैल 2026
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

गैस एजेंसियों पर सख्ती : स्टॉक शून्य मिला तो होगी कार्रवाई, कालाबाजारी पर प्रशासन का कड़ा शिकंजा

2

भारत ने स्थिति को अच्छे से संभाला, लेकिन विपक्ष अराजकता फैलाने में लगा : पीएम मोदी

- पीएम मोदी ने कोबा में सम्राट संप्रति संग्रहालय का किया उद्घाटन
- गुजरात में 20,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ
- पश्चिम एशिया संकट पर भारत की भूमिका, विपक्ष की आलोचना की

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात के कोबा में 'सम्राट संप्रति संग्रहालय' का उद्घाटन किया, जो जैन विरासत और अहिंसा के सिद्धांत को समर्पित है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हम पिछली सरकारों की उन गलतियों को सुधार रहे हैं, जिन्होंने कीमती पांडुलिपियों के संरक्षण की उपेक्षा की थी। पीएम मोदी ने कहा कि हमने पूरे गुजरात में, गांव गांव को अच्छी सड़कों से जोड़ा। हाई स्पीड हाइवेज बनाए। वंदे भारत जैसे हाई स्पीड ट्रेनों की सुविधा भी गुजरात को मिल रही है।पीएम मोदी ने कहा कि आज भी यहां केंद्र और राज्य की करीब 20 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इस प्रोजेक्ट से इस पूरे इलाके की तस्वीर बदलेगी। ये प्रोजेक्ट यहां के जीवन को एक नई गति देगी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में दुनिया का लीडर बनकर उभरेगा। पश्चिम एशिया के हालात ने हर देश को प्रभावित किया, भारत ने स्थिति को अच्छे से संभाला, लेकिन विपक्ष अराजकता फैलाना चाहता है।कई देशों ने ईंधन की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन हमने ऐसा न करने का फैसला किया और (तेल की ऊंची कीमतों का) बोझ लोगों पर नहीं डाला भारत किसी भी संकट का सामना करने में सक्षम है। कांग्रेस लोगों को भड़काकर ईंधन पंपों पर लाइनें लगवाने और अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस 'राजनीतिक गिद्ध' की तरह इंतजार कर रही है ताकि (पश्चिम एशिया युद्ध से पैदा हुई) स्थिति का फायदा उठाकर राजनीतिक लाभ उठा सके।

ऐसा माहौल बनाना चाहती है जिससे लंबी कतारें लग जाएं

उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस देश में दहशत का माहौल बनाना चाहती है, ताकि लोग पेट्रोल पंपों और गैस स्टेशनों पर लंबी कतारें लगाने के लिए मजबूर हो जाएं। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की परिस्थितियों ने हर देश को प्रभावित किया है, लेकिन भारत ने स्थिति को बखूबी संभाला है। विपक्ष पर अपना हमला जारी रखते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वे अराजकता फैलाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत किसी भी संकट का सामना करने में सक्षम है। हालांकि, कांग्रेस लोगों को पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगाने और अव्यवस्था फैलाने के लिए उकसाने की कोशिश कर रही है।पीएम मोदी ने आगे कहा, आज कांग्रेस पार्टी जनता को भड़काने में व्यस्त है। राजनीतिक गिद्धों की तरह, यह (कांग्रेस) स्थिति के बिगड़ने का इंतजार कर रही है ताकि इसका फायदा उठाकर राजनीतिक लाभ उठा सके।

एक नजर

राजस्थान-गुजरात बॉर्डर पर करोड़ों की चरस बरामद

पालनपुर। राजस्थान-गुजरात की छापरी सीमा पर पुलिस ने नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाईयों में से एक को अंजाम दिया है। आबू रोड रीको पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक लग्जरी कार से 20.40 किलो चरस बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के कानपुर के रहने वाले तीन तस्करों को हिरासत में लिया है. छापरी चेक पोस्ट पर वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही थी। इसी दौरान उत्तर प्रदेश नंबर की एक कार को रोका गया। कार में सवार तीनों लोगों का व्यवहार संदिग्ध लग रहा था। तलाशी के दौरान पुलिस को कार के अंदर एक श्गुप्त केबिनश मिला। जब इसे खोला गया तो पुलिस के होश उड़ गए। अंदर भारी मात्रा में चरस छिपाई गई थी। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा ने असम में झोंकी पूरी ताकत

नई दिल्ली। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बीच जांच एजेंसियां पूरी तरह सतर्क नजर आ रही हैं। इसी क्रम में चुनाव आयोग की फ्लाइंग स्क्वॉड टीम ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम. के. स्टालिन के वाहन की थंजावुर में जांच की। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई चुनाव आचार संहिता के तहत नियमित जांच प्रक्रिया का हिस्सा थी। चुनाव के दौरान सभी वाहनों और गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके। भारत के पूर्व दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सबरीमाला स्वर्ण गुम होने के मामले को लेकर केरल की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार करते हुए सवाल उठाया कि इस मामले का आरोपी उनके घर तक कैसे पहुंच गया।

घुसपैठ केवल चुनावी नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा

नालंदा भगदड़ में अब तक 9 लोगों की मौत, कई लोग घायल

- डीजीपी ने माना- लापरवाही हुई, पुलिस की टीम होनी चाहिए थी
- चश्मदीद बोले- पैसे लेकर एंट्री पर श्रद्धालु भड़के

एजेंसी। नालंदा

बिहार के नालंदा जिले में शीतला माता मंदिर में हुई भगदड़ में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 8 महिलाएं शामिल हैं, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। इस दर्दनाक हादसे के बाद बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और पूरी घटना को लेकर बड़ा बयान दिया है। डीजीपी विनय कुमार ने साफ तौर पर माना कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद पुलिस बल की तैनाती नहीं होना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि यह आस्था का बड़ा केंद्र है, जहां अक्सर हजारों-लाखों लोग पहुंचते हैं, ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए थी। उन्होंने बताया कि घटना के समय करीब 25 हजार लोग मौजूद थे, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।

सीढ़ियां फिसलन भरी, रास्ते भी अव्यवस्थित

डीजीपी ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि सीढ़ियां बेहद फिसलन भरी हैं, जिससे हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। इसके अलावा, आने-जाने के रास्तों में भी खामियां हैं, जिन्हें तत्काल सुधारने की जरूरत है, ताकि भीड़ को सही तरीके से नियंत्रित किया जा सके। नालंदा जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि, चैती माह का आखिरी मंगलवार है। बिहारशरीफ में मां शीतला मां का मंदिर है। यहां आज सुबह भगदड़ मच गई. 9 लोगों की मृत्यु हुई है और 5 का इलाज जारी है। राज्य सरकार की तरफ से मृतकों के परिजनों को 4 लाख मुआवजा दिया जाएगा. सीएम रिलिफ फंड से भी मुआवजा दिया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। लोग मंदिर प्रबंधन और प्रशासन की लापरवाही को लेकर नाराज हैं। दीपनगर थाना पुलिस, सदर डीएसपी और एसडीएम की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

भीषण आग मेंएक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत में आज यानी मंगलवार 31 मार्च को एक घर में भीषण आग लगने से कोहराम मच गया। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जलकर मौत हो गई, जिसमें 4 महिलाएं और एक मासूम बच्चा भी शामिल है। आग लगने की यह घटना सूरत के लिंबायत क्षेत्र स्थित मीठी खाड़ी इलाके की है। मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा यहां पर दो मंजिला इमारत में हुआ, जहां भारी मात्रा में साड़ी पैकिंग का मैटेरियल प्लास्टिक, गत्ता और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थीं। इसी के साथ घर के अंदर साड़ियां भी काफी मात्रा में रखी हुई थीं। घर के निचले हिस्से में अचानक आग लग गई। घर में साड़ी पैकिंग का सामान भरे होने के कारण आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते पूरा घर आग की चपेट में आ गया।

बंगाल चुनाव जीतने के लिए वोटर लिस्ट में घुसपैठ कर रही बीजेपी : ममता बनर्जी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही सियासी पारा चढ़ गया है। मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर राज्य की चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने की गंभीर साजिश का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी ने दावा किया है कि बंगाल में वोटर हाइजैकिंग के जरिए चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने पत्र की प्रति साझा करते हुए भाजपा पर सीधा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एजेंटों को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में हजारों फर्जी फॉर्म-6 (नया वोटर आईडी आवेदन) जमा करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। उन्होंने लिखा कि यह गैर-निवासियों और बाहरी लोगों को बंगाल की मतदाता सूची में घुसाने का प्रयास है। यह वही गंदा खेल है जो भाजपा ने महाराष्ट्र और दिल्ली में सफलतापूर्वक खेला था। तीन पन्नों के अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग की वर्तमान कार्रवाइयों से बंगाल के वास्तविक मतदाताओं के नाम कटने का खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने 20 फरवरी 2026 के सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का हवाला दिया। जिसमें अनमैप्ड श्रेणी के तहत मतदाता आवेदनों के निष्पक्ष निपटारे की बात कही गई थी. ममता ने मांग की है कि लंबित दावों की समीक्षा के लिए बेदाग छवि वाले सेवारत या पूर्व जिला न्यायाधीशों की निगरानी में एक न्यायिक कमेटी बनाई जाए। ममता बनर्जी ने इस पूरी प्रक्रिया को असंवैधानिक बताते हुए कहा कि यह सामान्य आवेदन प्रक्रिया नहीं है, बल्कि चुनाव जीतने के लिए मतदाता आधार को बदलने की कोशिश है। बंगाल दिनदहाड़े अपने लोकतंत्र की चोरी नहीं होने देगा।

युद्ध जैसे मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं, एकजुटता जरूरी प्रियंका गांधी

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति से बचने और संसद में चर्चा की कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मांग की है। वहीं उन्होंने बढ़ती एलपीजी कीमतों पर चिंता जताई। प्रियंका ने साफ किया कि इस मुद्दे पर पूरा देश एक साथ खड़ा है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने सरकार से मौजूदा चुनौतियों पर ठोस समाधान पेश करने की मांग भी की। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि युद्ध जैसे मुद्दे पर राजनीति करना सही नहीं है। इस मुद्दे पर हम एक देश के तौर पर एकजुट हैं, लेकिन हम देश के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान चाहते हैं, और इसीलिए हम इस पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। आज एलपीजी सिलेंडर इतने महंगे हो गए हैं कि आम लोगों के लिए उन्हें खरीदना मुश्किल हो गया है। इस पर ठीक से चर्चा होनी चाहिए, ताकि हम सब मिलकर इन समस्याओं का समाधान निकाल सकें। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि रसोई गैस सिलिंडर की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि आम लोगों के लिए इसे खरीदना मुश्किल हो गया है। उनके अनुसार, महंगाई का सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है, जिससे लोगों की जिंदगी पर काफी फर्क पड़ रहा है। साथ ही प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के सामने खड़ी समस्याओं का हल निकालने के लिए संसद में सार्थक चर्चा बेहद जरूरी है और अगर सभी दल मिलकर विचार-विमर्श करें, तो बेहतर समाधान निकल सकता है।

बक्सर में एलपीजी आपूर्ति पर प्रशासन सख्त, कालाबाजारी पर कार्रवाई तेज

- 27 एजेंसियों के माध्यम से वितरण जारी, 83 हजार से अधिक सिलेंडर बांटे गए; शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कंट्रोल रूम सक्रिय

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। बैठक में जिले में गैस वितरण की स्थिति, उपलब्धता और शिकायतों के निष्पादन की समीक्षा की गई।

प्रशासन ने बताया कि जिले में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के अंतर्गत कुल 27 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। 13 से 29 मार्च के बीच कुल 83,649 गैस सिलेंडरों का वितरण उपभोक्ताओं के बीच किया गया है। वहीं 29 मार्च तक एजेंसियों के पास 2,630 सिलेंडरों का भंडार उपलब्ध है। जिले में प्रतिदिन औसतन 6,419 सिलेंडरों की मांग के मुकाबले 5,689 सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है। वर्तमान में 24,057 रिफिल बुकिंग की आपूर्ति लंबित है, जिससे लगभग 4.1 दिनों का बैकलॉग बना हुआ है।

गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए शहरी क्षेत्रों के घरेलू उपभोक्ताओं को अंतिम सिलेंडर की डिलीवरी के 25 दिनों बाद तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों बाद ही नया सिलेंडर बुक करने की अनुमति दी गई है। प्रशासन द्वारा सख्ती बरतते हुए गैस एजेंसियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की लगातार भौतिक जांच कराई जा रही है। कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 21 मार्च को अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर सदर द्वारा औचक निरीक्षण के दौरान दो रेस्टोरेंट पर प्राथमिकी दर्ज कर 24 घरेलू सिलेंडर जब्त किए गए।

इसके अलावा 29 और 30 मार्च को वरीय पदाधिकारियों ने कुल 43 गैस एजेंसियों और अन्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन ने नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। एलपीजी आपूर्ति से संबंधित शिकायत या सूचना के लिए 06183-223333 नंबर जारी किया गया है। 30 मार्च तक नियंत्रण कक्ष में कुल 506 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 447 का त्वरित निष्पादन कर दिया गया है, जबकि शेष पर कार्रवाई जारी है।

जिले में घरेलू एलपीजी कनेक्शनों की संख्या 3,50,545 बताई गई है। साथ ही बाहर से लौट रहे प्रवासी श्रमिकों की निगरानी के लिए श्रम विभाग को उन्हें सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि एलपीजी एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है।

निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तय अंतराल पर होम डिलीवरी के माध्यम से ही गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

डीएम की आपदा समीक्षा बैठक में निर्देश–हर हाल में गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करें

गैस एजेंसियों पर सख्ती : स्टॉक शून्य मिला तो होगी कार्रवाई, कालाबाजारी पर प्रशासन का कड़ा शिकंजा

- उर्वरक व सिलेंडर जमाखोरी पर त्वरित कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में आपदा प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आमजन से जुड़े आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और कालाबाजारी पर नियंत्रण को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए। बैठक में गैस सिलेंडर, उर्वरक तथा अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान डुमरांव स्थित एचपी गैस एजेंसी माता श्री द्वारा स्टॉक शून्य रखे जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने एजेंसी से स्पष्टीकरण तलब करने का निर्देश दिया। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव को निर्देशित किया गया कि वे गैस एजेंसियों के स्टॉक की नियमित जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्थिति में गैस एजेंसियों पर स्टॉक शून्य नहीं होना चाहिए। जिन एजेंसियों पर बुकिंग अधिक हो रही है, वहां अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध कराने के लिए समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि गैस सिलेंडर से संबंधित कालाबाजारी या जमाखोरी की सूचना मिलने पर तत्काल भौतिक सत्यापन करें और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसी तरह उर्वरक की कालाबाजारी पर भी प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए जिला कृषि पदाधिकारी को जांच कर अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

पुलिस अधीक्षक ने भी बैठक में सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि चौकीदारों के माध्यम से जिले में बाहर से लौटे प्रवासी मजदूरों का विस्तृत डाटाबेस तैयार किया जाए, ताकि आपदा या अन्य परिस्थितियों में उनकी सहायता और निगरानी बेहतर ढंग से की जा सके।

जिलाधिकारी ने सभी गैस एजेंसियों को उपभोक्ताओं का ई-केवाईसी अभियान तेज करने का निर्देश दिया। इसके लिए अलग से काउंटर लगाने को कहा गया, जिससे लोगों को लंबी कतारों या असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि किसी उपभोक्ता को बिना गैस उठाव के मैसेज प्राप्त होता है, तो इसकी गंभीरता से जांच की जाए, अन्यथा संबंधित एजेंसी पर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को स्थानीय गैस एजेंसियों के स्टॉक का नियमित सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि जिले में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है, जिससे आमजन को फिलहाल किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन के इन सख्त निर्देशों से यह स्पष्ट है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एक नजर

छापेमारी के अफवाह से केसठ में बाजार बंद, दुकानदारों में अफरातफरी

केसठ। मंगलवार को आयकर विभाग की कथित छापेमारी की झूठी सूचना से प्रखंड क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। इस भ्रामक खबर के फैलते ही नया बाजार और पुराना बाजार समेत कई छोटे-बड़े दुकानदारों ने एहतियातन अपनी दुकानें बंद कर दीं।बताया जाता है कि पिछले कुछ दिनों से जिले के विभिन्न स्थानों पर आयकर विभाग द्वारा छापेमारी की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। इसी बीच केसठ में भी छापेमारी होने की अफवाह तेजी से फैल गई, जिसके कारण व्यापारियों में डर और भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई।हालांकि बाद में यह स्पष्ट हुआ कि केसठ में किसी प्रकार की कोई छापेमारी नहीं हुई थी। सूचना झूठी निकलने के बाद धीरे-धीरे बाजार की स्थिति सामान्य हुई और दुकानदारों ने अपनी दुकानें खोलनी शुरू कर दीं।

मर्यादा के साथ कर्तव्य पालन ही जीवन का आधार: शैलेश जी महाराज

केसठ। प्रखंड के दंगौली गांव स्थित राम जानकी मंदिर के 73वें वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को आयोजित कथा में शैलेश जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में मयार्दा के साथ कर्तव्य का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम का जन्म राक्षसों के संहार के लिए हुआ था और रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम जन्म के पांच मूल आधारों की चर्चा की है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को हमेशा अच्छी संगति अपनानी चाहिए, जिससे उसका जीवन और समाज दोनों संस्कारित बन सके। महाराज ने भगवान राम के जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने मयार्दा की रक्षा हेतु पिता की आज्ञा का पालन करते हुए 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया। कथा के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।वहीं, कार्यक्रम के व्यवस्थापक रामकिंकर सिंह उर्फ भिखारी सिंह के नेतृत्व में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव के तहत मंगलवार को भगवान श्रीराम के छठियार के रूप में सोहर कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन-पूजन और भंडारा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

लंबे समय से फरार चार वारंटी चढ़े पुलिस के हत्थे

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय थाना क्षेत्र में पुलिस ने फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चार वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई मंगलवार की अल सुबह अरियाव गांव में की गई, जहां पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को धर दबोचा।

गिरफ्तार किए गए वारंटियों में संतोष कुमार सिंह, उमेश सिंह, शिव प्रसन्न सिंह और राम नाथ नट शामिल हैं। बताया जाता है कि ये सभी कई मामलों में वांछित थे और काफी समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहे थे। पुलिस लगातार इनकी तलाश में जुटी थी।

थानाध्यक्ष रवि कुमार के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई को अहम सफलता माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों को विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए फरार और वांछित अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है और लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है।

मैट्रिक परीक्षा में रौशन बना प्रखंड टॉपर, परिजनों में खुशी की लहर

केटी न्यूज/केसठ

बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही प्रखंड क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रखंड के कुलमनपुर गांव निवासी अजय कुमार सिंह के पुत्र रौशन कुमार यादव ने 500 में से 466 अंक प्राप्त कर प्रखंड में प्रथम स्थान हासिल किया। बेटे की इस सफलता की खबर मिलते ही परिवार में खुशी का माहौल बन गया और बधाई देने वालों की भीड़ उनके घर उमड़ पड़ी।रौशन के पिता अजय कुमार सिंह वाहन चालक हैं, जबकि माता मंजू देवी गृहिणी हैं। रौशन ने बताया कि उन्होंने परीक्षा के दौरान प्रतिदिन करीब छह घंटे पढ़ाई की। उनका लक्ष्य इंजीनियर बनकर देश की सेवा करना है। वे प्लस टू हाई स्कूल रघुनाथपुर के छात्र हैं।वहीं, केसठ निवासी लाल बहादुर सिंह की पुत्री सृष्टि कुमारी ने 465 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा प्लस टू उच्च विद्यालय केसठ की अनन्या भारती (455), हिमांशु कुमार पाल (451), ज्योति कुमारी (446) ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। प्लस टू उच्च विद्यालय रघुनाथपुर की रूची कुमारी (458), अमित कुमार (456) एवं राजन कुमार द्विवेदी (455) ने भी उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपने परिवार व विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्र-छात्राओं की इस सफलता पर समाजसेवी रजनीकांत दूबे, पूर्व मुखिया धनंजय कुमार, शिक्षक रोहित कुमार, भावना कुमारी, पुरुषोत्तम कुमार, गोल्डी दूबे सहित अन्य लोगों ने बधाई दी। परिजनों ने भी मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

वार्षिक परीक्षाफल वितरण सह अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का किया गया आयोजन

केटी न्यूज/ इटाढी

इटाढी प्रखंड के मध्य विद्यालय तुरईडिहरा में सोमवार को वार्षिक परीक्षाफल वितरण सह अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन उत्सवपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाध्यापक विकास कुमार के नेतृत्व में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई, जिससे पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल बन गया। इस अवसर पर सत्र 2025-26 के वर्ग एक से आठवीं तक के छात्र-छात्राओं को प्रधानाध्यापक, वर्ग शिक्षक एवं अभिभावकों के हाथों अंक पत्र वितरित किए गए। साथ ही कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। हाल ही में आयोजित खेलकूद एवं विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। प्रधानाध्यापक विकास कुमार ने बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में प्रवेश से प्रगति तक, विद्यालय और अभिभावक साथ-साथ थीम के तहत संगोष्ठी आयोजित की गई। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि ने इस पहल की सराहना करते हुए सभी को बधाई संदेश दिया। संगोष्ठी के दौरान अभिभावक और विद्यालय के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। प्रधानाध्यापक ने कहा कि अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई में रुचि लेने और सकारात्मक माहौल देने की अपील की। कार्यक्रम में शिक्षकों को भी विद्यालय की ओर से मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसी दौरान कक्षा आठ के छात्र-छात्राओं को स्थानांतरण प्रमाण पत्र वितरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही नए शैक्षणिक सत्र के लिए सभी छात्रों के बीच पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। इस मौके पर कुल 90 छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकगण और अभिभावक उपस्थित रहे।

मोबाइल स्क्रीन ब्लैक, खाते से 58 हजार साफ: बिना कॉल–लिंक के साइबर ठगी से दहशत में दुकानदार

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरान सराय थाना क्षेत्र के मठिला गांव में एक चौंका ने वाली साइबर ठगी की घटना सामने आई है, जिसने डिजिटल सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। किराना दुकानदार चंदन प्रसाद के खाते से महज कुछ ही मिनटों में 58 हजार रुपये उड़ा लिए गए, वो भी बिना किसी कॉल, लिंक या ओटीपी शेयर किए। पीड़ित चंदन प्रसाद, जो पिछले पांच वर्षों से कोरान सराय बाजार में अपनी छोटी सी दुकान से परिवार का भरण-पोषण करते हैं, सोमवार दोपहर अपनी दुकान पर बैठे थे। अचानक उनका मोबाइल फोन ब्लैक हो गया। उन्होंने फोन को स्विच ऑफ कर दोबारा चालू किया, लेकिन इसके कुछ ही देर बाद एक मैसेज ने उनके पैरों तले जमीन खिसका दी, खाते से 58 हजार रुपये की निकासी हो चुकी थी। घबराए

चंदन ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल किया और कोरान सराय थाना पहुंचे। लेकिन यहां उन्हें मामला साइबर थाना से जुड़ा बताकर जिला मुख्यालय भेज दिया गया। वहां पहुंचने पर उन्हें यह कहकर वापस लौटा दिया गया कि एक लाख से कम की ठगी पर यहां प्राथमिकी दर्ज नहीं होती। इस बीच बैंक पहुंचने पर पता चला कि उनके खाते का बैलेंस पूरी तरह शून्य हो चुका है।

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि चंदन के अनुसार उन्होंने न तो किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक किया, न किसी से फोन पर बातचीत की और न ही कोई ओटीपी साझा किया। इसके बावजूद यूपीआई के माध्यम से रकम निकल जाना कई तरह की आशंकाओं को जन्म दे रहा है–क्या यह मोबाइल हैकिंग का मामला है या फिर कोई नया साइबर फ्रॉड तरीका? इधर, इस घटना के बाद पूरे परिवार में दहशत का माहौल है। थाना प्रभारी माधुरी कुमारी ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है और पुलिस विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। यह घटना न सिर्फ एक परिवार की आर्थिक सुरक्षा पर हमला है, बल्कि आम लोगों के लिए एक चेतावनी भी है कि डिजिटल लेन-देन के इस दौर में खतरे नए-नए रूप में सामने आ रहे हैं।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

गंगा के भागड़ में नाव पलटी, एक किशोरी लापता, बाल-बाल बची दर्जनभर महिलाएं

- रामदास राय के डेरा थाना क्षेत्र के लाल सिंह के डेरा गांव के पास की है घटना, नाव भी लापता, लापता किशोरी की तलाश में जुटी एनडीआरएफ

केटी न्यूज/सिमरी

गंगा के भागड़ में महिलाओं से भरी एक नाव पलट गई। इस हादसे में नाव पर सवार एक दर्जन महिलाएं जैसे-तैसे तैरकर बाहर निकल गई, जबकि 10 वर्षीय एक किशोरी लापता हो गई है। घटना के बाद से नाव भी पानी के अंदर समा गई है। यह भीषण हादसा मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे की है। नाव पर सवार सभी महिलाएं खेतिहर मजदूर है, जो रामदास राय के डेरा थाना क्षेत्र के नवरंग राय के डेरा की रहने वाली है तथा भागड़ के उस पार खेतों में लगे फसल की कटनी करने जा रही थी। जैसे ही नाव बीच भागड़ में पहुंची कि अचानक पलट गई। इस हादसे में लापता किशोरी की पहचान नवरंग राय के डेरा गांव निवासी लालबाबू राम की 8 वर्षीय पुत्री नेहा कुमारी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थानाध्यक्ष अभिषेक पांडेय, सिमरी अंचल के राजस्वकर्मी प्रवीण कुमार, राजापुर पंचायत के मुखिया मदन राय, पूर्व मुखिया अंगद यादव समेत ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इस दौरान स्थानीय गोताखोरों ने पानी में लापता हुई किशोरी की तलाश शुरू कर दी, लेकिन दोपहर तक उसका कुछ पता नहीं चल सका था। जिसके बाद स्थानीय प्रशासन ने इसकी सूचना एनडीआरएफ टीम को दी। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ टीम भी मौके पर पहुंची, लेकिन समाचार लिखे जाने तक एनडीआरएफ को किशोरी की तलाश में सफलता नहीं मिल सकी थी।

घटना के बाद से बदहवास है स्वजन

इस घटना के बाद जहां नवरंग राय के डेरा गांव में अफरा-तफरी मच गई थी, वहीं लापता किशोरी के स्वजन बदहवास हो गए है। घटना की जानकारी मिलते ही लोग दौड़े भागे घटना स्थल पर पहुंचे। हालांकि, नाव पर सवार महिलाओं को सुरक्षित देख ग्रामीणों की चिंता कम हुई। इसी दौरान पता चला कि नाव पर बैठी नेहा पानी में समा गई है। जिसके बाद से ही उसकी तलाश करवाई जा रही है।

याद आया दल्लुपुर की घटना

इस हादसे ने वर्ष 2012 में ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के दल्लुपुर गांव के पास हुए नाव हादसे की याद ताजा कर दी है, जब खेतिहर मजदूरों से भरी नाव पलटने से एक साथ 42 मजदूरों की मौत हो गई थी। हालांकि, इस घटना में महिलाओं ने खुद तैरकर अपनी जान बचा ली। जानकारों का कहना है कि यदि महिलाओं को तैरना नहीं आता तो हादसा और बड़ा हो सकता था। बहरहाल इस घटना ने एक बार फिर से गंगा तथा उसकी सहायक नदियों में बिना मानक के नौका परिचालन पर सवाल खड़ा कर दिया है।

डुमरांव में पांच लाख रूपए मूल्य के गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, एक कार जब्त, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

- भोजपुर जिले के मसाढ़ से मंगवाई गई थी गांजा की खेप, गिरफ्तार लोगों में भोजपुर जिले का फरार तस्कर भी शामिल, एसडीपीओ ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ डुमरांव पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर नगर के शक्ति द्वार मोड़ के समीप एक घर में छापेमारी कर 78.965 किलोग्राम गांजा तथा तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक स्वीफ्ट डिजायर कार भी बरामद की है। बरामद गांजा का अनुमानित मूल्य पांच लाख रूपए आंकी गई है।

गिरफ्तार तस्करों में डुमरांव शक्तिद्वार रोड निवासी छोटे तुरहा पिता अस्पताली तुरहा, सिकरौल थाना क्षेत्र के भदार गांव निवासी भीम कुमार पिता सत्येन्द्र प्रसाद तथा भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मसाढ़ गांव निवासी सत्येन्द्र कुमार पिता जवाहिर तुरहा शामिल है। सत्येन्द्र पर गजराजगंज ओपी में एनडीपीएस ऐक्ट के तहत एफआईआर दर्ज है, जिसमें वह फरार चल रहा था। एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने मंगलवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि सोमवार की शाम गुप्त सूचना मिली थी कि शक्तिद्वार मोड़ के समीप एक घर में गांजे की बड़ी खेप मंगवाई गई है। उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी एसपी शुभम आर्य को दी गई, उन्होंने एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी का निर्देश दिया।

छापेमारी में मिला भारी मात्रा में गांजा

एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस टीम ने जब चिन्हित घर की घेराबंदी कर छापेमारी शुरू की तो उक्त घर से दो अलग-अलग जगहों से कुल 78.965 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसके बाद गृहस्वामी छोटे तुरहा तथा वहां मौजूद भीम कुमार व सत्येन्द्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि तीनों ने गांजा तस्करी में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। एसडीपीओ ने बताया कि तीनों के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

सत्येन्द्र का मिला है अपराधिक इतिहास

एसडीपीओ ने बताया कि सत्येन्द्र का अपराधिक इतिहास मिला है। उस पर गजराजगंज थाने में पिछले साल एनडीपीएस ऐक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुआ था, जिसमें वह फरार चल रहा था। एसडीपीओ ने बताया कि सत्येन्द्र के नेतृत्व में यह गिरोह लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा था। जिसकी सूचना उन्हे मिल रही थी। जिसके बाद पूरे गिरोह को रंगेहाथ दबोचने के लिए मुखबीरों का जाल बिछाया गया था, जिसके बाद पुलिस को यह सफलता मिली।

पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी पुलिस

एसडीपीओ ने बताया कि तीन तस्करों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। उन्होंने कहा कि तस्करों से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मसलन तस्कर गांजा की खेप कहां से लाते थे तथा इसे कहां-कहां बिक्री करते थे और इस नेटवर्क से और कितने तस्कर जुडे. है। एसडीपीओ ने कहा कि नेटवर्क में शामिल सभी तस्करों को गिरफ्तार किया जाएगा।

सम्मानित होंगे छापेमारी में शामिल पुलिस पदाधिकारी

छापेमारी में एसडीपीओ के साथ डुमरांव के सर्किल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, एसआई मतेन्द्र कुमार, गौतम कुमार तथा एएसआई अर्चना कुमारी के अलावे डीआईयू टीम व सशस्त्र बल शामिल थे। एसडीपीओ ने बताया कि छापेमारी में शामिल सभी पुलिस पदाधिकारियों व डीआईयू टीम को सम्मानित करने के लिए एसपी सर से अनुशंसा की जाएगी।

एक नजर

कटनी के बाद फसल अवशेष में लगी आग बनी कहर, छह बीघा गेहूं जलकर राख

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के दुबौली बहुआरा की बधार में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आठ किसानों की करीब छह बीघा में लगी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। इस घटना ने एक बार फिर कटनी के बाद खेतों में छोड़े गए अवशेष और लापरवाही से आग लगाने के खतरों को उजागर कर दिया है। किसानों के अनुसार, पास के एक खेत में हार्वेस्टर से कटनी के बाद बचे फसल अवशेष में किसी ने आग लगा दी गई थी। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती हुई आसपास के खेतों तक पहुंच गई और खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में स्थिति भयावह हो गई। हालांकि, मौके पर पहुंचे आसपास के किसानों ने एकजुट होकर घंटों मशक्कत की और किसी तरह आग पर काबू पाया। उनकी तत्परता के कारण सैकड़ों बीघा में लगी अन्य फसलों को जलने से बचा लिया गया, जिससे एक बड़ा नुकसान टल गया। इस अगलगी में दुबौली, भदार और अतिमी बिंदटोली के कुल आठ किसानों को नुकसान हुआ है। इनमें कमलेश मिश्रा और मनोज बिंद की सवा-सवा बीघा, जबकि अन्य किसानों की 5 से 10 कट्ठा तक फसल जल गई। किसानों के सामने अब आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि यह उनकी सालभर की मेहनत का परिणाम था। घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन और थाना को दे दी गई है। किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग करते हुए ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने की अपील की है, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही से होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

उड़ीसा में किसान नेताओं की गिरफ्तारी से बिहार में आक्रोश, रिहाई की मांग तेज

चौसा। उड़ीसा में चल रहे किसान आंदोलन के दौरान प्रमुख किसान नेताओं की गिरफ्तारी के बाद बिहार में किसानों के बीच भारी आक्रोश देखा जा रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए सरकार पर लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार, पिछले 17 वर्षों से जनजातीय आजीविका और वन अधिकारों की मांगों को लेकर संघर्षरत नव निर्माण कृषक संघ के संयोजक अक्षय कुमार के नेतृत्व में 22 मार्च से उड़ीसा के कैंझर घाटागा तारिणी से भुवनेश्वर तक 5000 किसानों की पदयात्रा निकाली गई थी। यह पदयात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही थी। नौवें दिन जब किसान नखरा पहुंचे, तब वहां एक विशाल सभा का आयोजन प्रस्तावित था।

सभा को संबोधित करने के लिए देश के प्रसिद्ध किसान नेता राकेश टिकैत, सांसद सुधाकर सिंह तथा किसान नेता दिनेश कुमार उड़ीसा पहुंचे थे। आरोप है कि सभा स्थल पर बड़ी संख्या में किसानों के जुटने से घबराकर प्रशासन ने राजमार्ग अवरुद्ध होने की आशंका का हवाला देते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया।

संयुक्त किसान मोर्चा के अनुसार, पुलिस ने सभा को विफल करने के उद्देश्य से बल प्रयोग करते हुए करीब 750 किसानों सहित उक्त नेताओं को जबरन गिरफ्तार कर लिया। इसे मोर्चा ने ह्लअघोषित आपातकालह्व करार देते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार के किसान नेताओं अशोक प्रसाद सिंह, रामायण सिंह, भूप नारायण सिंह, प्रो. आनंद किशोर, जनक देव सिंह, आशीष रंजन सहित अन्य ने तीखी नाराजगी जताई है। नेताओं ने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन को कुचलने की साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने सरकार से मांग की है कि सभी गिरफ्तार किसानों और नेताओं को अविलंब बिना शर्त रिहा किया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो बिहार और उड़ीसा के किसान संयुक्त रूप से सड़कों पर उतरकर व्यापक आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

खिलाफतपुर में लगा पशु स्वास्थ्य महाकुंभ बांझपन उपचार से किसानों की बढ़ी उम्मीदें

- विशेषज्ञों की देखरेख में जांच, उपचार और जागरूकता— पशुपालकों को मिला आधुनिक पशुपालन का ज्ञान

केटी न्यूज/चौसा

प्रखंड के खिलाफतपुर गांव में पशुपालकों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पशु स्वास्थ्य एवं बांझपन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर ग्रामीणों के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित हुआ, जहां दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में पशुपालक अपने पशुओं के साथ पहुंचे और विशेषज्ञ चिकित्सकों से सीधे संवाद कर समस्याओं का समाधान पाया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य पशुओं में बढ़ती बांझपन की समस्या को दूर कर उनकी उत्पादन क्षमता को बढ़ाना था। कार्यक्रम में पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार सिंह और डॉ. अजय प्रकाश यादव की देखरेख में व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। पशुओं का गर्भ परीक्षण, बांझपन की पहचान, रोगों की जांच और आवश्यक उपचार मौके पर ही किया गया, जिससे पशुपालकों को तत्काल राहत मिली।

इस दौरान चिकित्सकों ने आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से पशुपालन को अधिक लाभकारी बनाने के उपाय भी बताए। उन्होंने समझाया कि सही समय पर जांच, संतुलित आहार और नियमित टीकाकरण से न केवल पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि उनकी उत्पादकता भी बढ़ती है, जिससे पशुपालकों की आय में सीधा इजाफा होता है।

शिविर को सफल बनाने में पैरावेट स्टाफ अमित सिंह, अमृतेश और शत्रुधन सिंह की अहम भूमिका रही। उन्होंने पंजीकरण से लेकर दवा वितरण तक हर स्तर पर पशुपालकों की मदद की और व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. अजय प्रकाश यादव ने पशुपालकों से अपील की कि वे पशुओं के रख-रखाव में स्वच्छता, पोषण और नियमित स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि जागरूकता और सही देखभाल ही पशुपालन को एक मजबूत आय के स्रोत में बदल सकती है।

यह शिविर न केवल इलाज का केंद्र बना, बल्कि ग्रामीणों के लिए सीख और जागरूकता का एक सशक्त मंच भी साबित हुआ।

चौसा में भीषण अग्निकांड: कंस्ट्रक्शन कंपनी का गोदाम और लैब खाक, ढाई करोड़ की संपत्ति

- शॉर्ट सर्किट की आशंका, दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा, रेलवे प्रोजेक्ट का अहम सामान जलकर नष्ट

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा के अखौरीपुर गोला स्थित एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के यार्ड में सोमवार की देर रात लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचाई। देखते ही देखते आग ने कंपनी के स्टोर रूम और सिविल लैब को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे करीब ढाई करोड़ रुपये मूल्य की सामग्री जलकर राख हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग सहमे रहे। बताया जाता है कि शेखावटी कंस्ट्रक्शन कंपनी रेलवे प्लांट से जुड़े महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों में लगी हुई थी। यार्ड में रेलवे ट्रैक और प्लेटफॉर्म निर्माण से संबंधित बड़ी मात्रा में सामग्री रखी गई थी। देर रात अचानक उठी आग की लपटों ने इन सभी संसाधनों को तेजी से घेर लिया। आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही देर में पूरा स्टोर रूम और सिविल लैब धू-धू कर जलने लगे। कंपनी के कर्मचारियों के अनुसार, आग की चपेट में रेलवे परियोजना में इस्तेमाल होने वाले रबर पैड, सेटअप बॉक्स, एसएनटी बॉक्स, एसपीजी स्विच, लाइनर और पेंट के डिब्बे समेत करीब तीन किलोमीटर तक के फिटिंग सामान नष्ट हो गए। यह सामग्री रेलवे यार्ड और ट्रैक निर्माण के लिए बेहद अहम मानी जाती है, जिससे परियोजना पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और प्लांट प्रबंधन हरकत में आ गया। मौके पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकल कर्मियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण आग को आसपास के रिहायशी इलाकों में फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।आग के बीच राहत की बात यह रही कि सिविल लैब में रखे दो ऑफिस कंटेनर, दो जेसीबी मशीन और तीन ट्रैक्टर समेत अन्य महंगे उपकरणों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अगर ये उपकरण भी आग की चपेट में आ जाते तो नुकसान और अधिक बढ़ सकता था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। घटना के बाद कंपनी प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन दोनों ही सतर्क हो गए हैं और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। इस अग्निकांड ने न सिर्फ कंपनी को आर्थिक रूप से बड़ा झटका दिया है, बल्कि रेलवे से जुड़े निर्माण कार्यों की गति पर भी असर डालने की आशंका पैदा कर दी है। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

जूस बेचने वाले की बेटी बनी बिहार टॉप-10 में, थानाध्यक्ष खुद पहुंचे सम्मान देने

- आर्थिक तंगी को हराकर पूजा कुमारी ने रचा इतिहास सिविल सेवा में जाने का सपना

केटी न्यूज/डुमरांव

कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों तो हालात रास्ता नहीं रोक सकते—पुराना भोजपुर की पूजा कुमारी ने इस कहावत को सच कर दिखाया है। गन्ने का जूस बेचकर परिवार चलाने वाले पिता की बेटी ने बिहार मैट्रिक परीक्षा में टॉप-10 में जगह बनाकर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे इलाके का नाम रोशन कर दिया।

पूजा की इस असाधारण उपलब्धि की गूंज जब स्थानीय प्रशासन तक पहुंची, तो नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार खुद उसके घर पहुंच गए। तकिया मोहल्ला बिंद टोली स्थित उसके साधारण से घर में जाकर उन्होंने पूजा को सम्मानित किया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीमित संसाधन कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकते, अगर मेहनत और लगन सच्ची हो।

पूजा कुमारी की सफलता की कहानी संघर्ष और संकल्प से भरी हुई है। उसके पिता बीरबल चौधरी रोजाना चौक पर गन्ने का जूस बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि उसकी मां रीता देवी गृहिणी हैं। आर्थिक तंगी के बावजूद परिवार ने कभी उसकी पढ़ाई में कमी नहीं आने दी, और पूजा ने भी हर चुनौती को अवसर में बदल दिया। दिलचस्प बात यह है कि पूजा की पढ़ाई का सफर भी आसान नहीं रहा। उसने नौवीं तक की पढ़ाई एक निजी स्कूल में की, लेकिन स्कूल की मान्यता रद्द होने के बाद उसे बीच में ही स्कूल बदलना पड़ा। यह स्थिति किसी भी छात्र के लिए बड़ा झटका हो सकती थी, लेकिन पूजा ने हिम्मत नहीं हारी। उसने उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पुराना भोजपुर में दाखिला लिया और नई शुरूआत के साथ अपनी मेहनत जारी रखी।

उसकी मेहनत का परिणाम सबके सामने है। मैट्रिक परीक्षा में उसने हिंदी में 96, संस्कृत में 90 और गणित में 99 अंक हासिल किए। सीरियल नंबर के आधार पर उसकी रैंकिंग भले 115 हो, लेकिन मेरिट लिस्ट में टॉप-10 में शामिल होकर उसने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया।

थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने कहा कि पूजा जैसे छात्रों को सम्मानित करना जरूरी है, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए और अन्य बच्चे भी प्रेरित हों। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आगे की पढ़ाई में हर संभव सहयोग किया जाएगा।

पूजा का सपना अब और बड़ा है। वह सिविल सेवा में जाकर देश की सेवा करना चाहती है। उसकी यह सोच और मेहनत उसे आने वाले समय में और ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। पूजा कुमारी की कहानी उन हजारों छात्रों के लिए प्रेरणा है, जो संसाधनों की कमी को अपनी कमजोरी मान लेते हैं। उसने साबित कर दिया कि असली ताकत हालात नहीं, बल्कि हौसलों

एनएच-922 पर हादसे में महिला को कुचलकर फरार हुआ वाहन, मौत, पहचान अब तक नहीं

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर सोमवार की रात एक दर्दनाक और रहस्यमयी सड़क हादसे में एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। घटना कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के लेवाड़ गांव के समीप दक्षिणी लेन की है, जहां किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने महिला को कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। मंगलवार की सुबह जब ग्रामीणों की नजर सड़क किनारे पड़े शव पर पड़ी, तो इलाके में सनसनी फैल गई। तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कृष्णाब्रह्म थाना की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक महिला पिछले तीन-चार दिनों से इलाके में लावारिस हालत में भटकती हुई देखी जा रही थी। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रही थी और अक्सर सड़क किनारे घूमती रहती थी। आशंका जताई जा रही है कि रात के अंधेरे में वह सड़क पार कर रही होगी, तभी किसी वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, जिससे पुलिस के सामने चुनौती और बढ़ गई है। फिलहाल मृतक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों से संपर्क कर उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और पहचान के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है, ताकि फरार वाहन का सुराग मिल सके। इस हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिजली राजस्व वसूली अभियान में 22 बकायेदार उपभोक्ता पर नीलामवाद दर्ज

केटी न्यूज/रोहतास

विद्युत आपूर्ति अवर प्रमण्डल, बिक्रमगंज अंतर्गत राजस्व वसूली को लेकर व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बकायेदार उपभोक्ताओं से लंबित राजस्व की वसूली सुनिश्चित करना है। सहायक विद्युत अभियंता राज कुमार ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं द्वारा लंबे समय से विद्युत विपत्र यानी बिजली बिल की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। जिनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि बकायेदार उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई निरंतर जारी है। कनेक्शन कटने के बाद बकाया राशि जमा नहीं करने के कारण बकायेदारों के विरुद्ध नीलामवाद यानी सर्टिफिकेट केस की कार्रवाई की गई है ताकि बकाया राशि की वसूली कानूनी माध्यम से सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया की इसी क्रम में 22 बकायेदार उपभोक्ताओं के विरुद्ध बिहार एवं उड़ीसा लोक मांग वसूली अधिनियम 1914 के तहत नीलामवाद दर्ज करने हेतु नीलामपत्र पदाधिकारी के कार्यालय में तथ्य विवरणी भेज दी गई है। जिन उपभोक्ताओं के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई है, उनमें अहमद नगर के राजेश कुमार दुबे पर 233839, अकबर फारुकी पर 93533, धनगाई के कृष्णा साह पर 39570, राजेश कुमार प्रजापति पर 112866, अशोक राम पर 90330, कुंदन किशोर पासवान पर 54859, कृष्णा राम पर 90031, बबन राम पर 136818, यादव मोहल्ला के भूलेटन सिंह पर 28064, सिलौटा के रामनाथ सिंह पर 111339, गुलजारबाग के कसमुद्दीन मियां पर 58359, बसीर अहमद पर 76835, नटवार रोड की गीता देवी पर 47981, तपेश्वर सेठ पर 62661, डुमराव रोड के जन्नत आलम पर 19772, मनबोध नगर के मंतोष कुमार पर 115866, सासाराम रोड के शम्भू प्रसाद पर 66631, डेहरी रोड के उपेंद्र सिंह पर 68342, अस्कामनी नगर के सुरेंद्र सेठ पर 108620, श्याम नगर के मिथिलेश कुमार पर 73166, तेन्दुनी के शिव शंकर कुमार पर 77596 तथा संतोष कुमार पर 107357 की बकाया राशि लंबित थी। इन सभी उपभोक्ताओं पर लंबे समय से बकाया राशि रहने के कारण यह कार्रवाई की गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसे बकायेदार उपभोक्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही, उपभोक्ताओं को समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है कि वे अपने विद्युत बिल का भुगतान समय पर करें एवं किसी भी प्रकार की अनियमितता से बचें। विद्युत विभाग सभी उपभोक्ताओं से अपील करता है कि वे समय पर अपने बिजली बिल का भुगतान करें, ताकि अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके। समय पर भुगतान करने से न केवल उपभोक्ताओं को सुविधा मिलती है, बल्कि निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति भी सुनिश्चित होती है। विभाग ने यह भी बताया कि उपभोक्ता अपने नजदीकी विद्युत कार्यालय अथवा ऑनलाइन

रजौली : गर्भवती महिलाओं की जिंदगी से खेल रहीं अनुमंडल अस्पताल की आशा

- **कमीशन लेकर गर्भवती को भेज रही निजी क्लिनिक में प्रसव के लिए**
- **अस्पताल के मिलीभगत से दलाल मरीजों को भेज रहें निजी क्लिनिक**

केटी न्यूज/नवादा

अनुमंडल अस्पताल की मिलीभगत से मरीजों की जिंदगी से खेल रहें दलाल। जिसमें रजौली अनुमंडल अस्पताल के साथ निजी अस्पतालों के भी दिन गुलजार हो रहें है। जो मरीजों के अवैध ईलाज में अस्पताल की कई आशाओं का गठजोड़ भी खूब रंग ला रहा है। इस संदर्भ में मरीजों ने दबी जुबा से आरोप लगाते हुए कहा कि मोटे कमीशन के चक्कर में सरकारी अस्पताल की आशा कर्मी गर्भवती महिलाओं को गुमराह कर निजी अस्पताल में अच्छे ईलाज का झांसा देकर जबरन भेज रही है। साथ ही प्रसव को पहुंचने वाली हर गर्भवती को लापरवाही और केस बिगड़ने का डर दिखाकर निजी अस्पताल ले जाने की सलाह देती हैं। आरोप है कि यह पूरा खेल कमीशन के चलते सुरक्षित प्रसव कराने की सलाह देकर किया जा रहा है। सरकारी स्वास्थ्य सेवा की जानकारी देना,प्राथमिक सेवा उपलब्ध करवाना,जटिल केस को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में मदद करना,स्वास्थ्य योजना के प्रति जागरूक करना,ग्रामीण जनता को स्वच्छ पेयजल और शौचालय उपयोग की जानकारी देने के लिए आशा संगिनी व आशा कार्यकर्ता को तैनात किया गया है।इसके बावजूद लोगों का कहना है कि आशा कर्मी सहित चक्कर लगाते दलाल अपने कार्यों को छोड़कर निजी अस्पतालों का गुणगान करतीं हैं। कमीशन खोरी के चक्कर में गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पतालों में प्रसव में दिक्कतें होने एवं कुछ कमियां बताकर निजी अस्पताल ले जाती हैं। जहां प्रसव के लिए आठ से दस हजार व आपरेशन होने पर 25 से 30 हजार रुपये चुकाना पड़ता है। सरकारी अस्पतालों के बाहर आशाओं की भीड़ लगी रहती है। ये आशाएं सुबह ही अस्पताल पहुंच जाती हैं और देर रात तक अस्पताल के बाहर घूमती रहती हैं। जैसे ही डिलीवरी के लिए कोई महिला पहुंचती है,उसे तुरंत पकड़ लेती हैं और गुमराह कर निजी अस्पताल ले जाती हैं। अस्पताल में भीतर भी घूमती दिखाई देती हैं। इतना ही नहीं शहर से लेकर गांवों तक की जानकारी रखने वाली आशाएं प्रसुता महिलाओं को घर पर ही डर दिखाकर निजी अस्पतालों में ले जाती है। वे प्रसुता के परिजनों को यह डर दिखाती है कि केस बिगड़ जाएगा।

सरकारी अस्पताल में खराब सुविधा की बातें कहती है आशा

निजी अस्पतालों में देखी जा सकती है आशाओं : की भीड़ महिला अस्पताल परिसर में घूमने वाली आशाओं की निजी अस्पतालों में भीड़ देखी जा सकती है। यह जिस अस्पताल से साठगांठ होती हैं, वहां गर्भवती महिलाओं को खुद लेकर जाती हैं। जिससे मरीज किसी और अस्पताल में ना पहुंच सके। बताया जा रहा है कि इन आशाओं का निजी अस्पतालों के संचालकों से कमीशन फिक्स रहता है। साधारण प्रसव कराने पर पांच हजार और आपरेशन होने पर 10 हजार रुपये से अधिक का कमीशन लिया जा रहा है। रजौली अनुमंलीय अस्पताल में इस तरह के कई मामले प्रकाश में भी आ चुके है। अस्पतालों से हायर सेंटर रेफर कर देते हैं डॉक्टर जिला महिला अस्पताल या प्रसव केंद्रों पर पहुंचने पर गर्भवती महिलाओं को रेफर कर दिया जाता है। डॉक्टर ना होने, जांच न होने आदि सुविधाओं की कमी का बहाना बनाया जाता है। जिसके बाद आशाएं प्रसूता महिलाओं को निजी अस्पतालों तक पहुंचा देती हैं। इस संबंध में नवादा सिविल सर्जन को फोन के माध्यम से संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

दलाल निजी क्लिनिक में मरीजों को जाने के लिए करते है मजबूर : इस कार्य में कुछ फर्जी डिग्री वाले लोग भी काट रहे चांदी इस कार्य में कुछ फर्जी डिग्री वाले लोग भी चांदी काट रहे हैं। अनुमंडलीय अस्पताल के अगल-बगल में करीब आधा दर्जन नर्सिंग होम खुले हुए है। जिसमें मान्यता प्राप्त डॉक्टर का बोर्ड तो लगा रहता है। परंतु उनका कोई अता-पता नहीं होता है। सूत्र के मुताबिक गंभीर ऑपरेशन वाले मरीज को निजी क्लिनिक में ले जाया करते है।उसके बाद मरीजों का दोहन चालू हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के साथ यह कार्य बहुत पहले से ही किया जा रहा है। निम्न स्तर के मरीज को सरकारी अस्पताल में किसी तरह का प्रसव करा दिया जाता है। परंतु जैसे ही ऑपरेशन की समस्या आती है तो यह कार्य तत्काल जीएनएम कर्मी सक्षम चिकित्सालय के पास नहीं भेजकर दलालों के सुपुर्द कर देते हैं। जहां अप्रशिक्षित झोलाछाप चिकित्सकों द्वारा प्रसव के अलावा ऑपरेशन तक किया जाता है। जिसके कारण कई महिलाओं को प्रसव के दौरान काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ती है।

पूर्व में इसके विरुद्ध कार्रवाई में कई क्लिनिक हुए थें बंद : विगत दिनों रजौली एसडीओ चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में जिले से आये स्वास्थ्य टीम ने दो तीन निजी नर्सिंग होम पर कार्रवाई की थी। तब कुछ निजी नर्सिंग होमों ने अपना बोरिया बिस्तर बांध लिया था और कुछ दिनों के लिए फरार हो गए थे। लेकिन जैसे ही समय गुजरता गया फिर निजी नर्सिंग होम कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं। अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में महिलाओं के ऑपरेशन के लिए महिला चिकित्सक नहीं है। यही कारण है कि मरीज को थोड़ी सी भी परेशानी होने पर चिकित्सक रिस्क लेना नहीं चाहते हैं और वे रेफर कर देते हैं।

दुकान में लूट को लेकर स्वर्ण व्यवसायी ने पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी

केटी न्यूज/रोहतास

जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के चिकसील पंचायत स्थित चिकसील बाजार में मंगलवार को सन्नाटा पसर गया। व्यवसाई संघ ने सभी दुकानें बंद कर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वजह ? विगत 29 मार्च की रात हुई सनसनीखेज लूट, जिसमें डकैतों ने मां ज्वैलर्स दुकान से 20 लाख रुपये के सोना-चांदी के आभूषण और पौने दो लाख नगद नकदी उड़ा ले गए। दुकानदारों का आरोप है कि यह चोरी नहीं, खुलेआम डकैती थी, जिसमें मकान मालिक को बंधक बनाया गया और हथियार दिखाकर लूट की गई।

लूट का खौफनाक मंजर से दहशत : साहेब दयाल सिंह मार्केट स्थित मां ज्वैलर्स दुकान सोनबरसा (सोन वर्षा) गांव के निवासी स्वर्गीय हरिहर प्रसाद के पुत्र मिंटू प्रसाद की है, जो 20 वर्षों से इसे चला रहे हैं। सोमवार रात करीब 12 बजे से 3 बजे तक चले इस डकैती में 12-13 से अधिक हथियारबंद लुटेरे बाजार में घुसे। मकान मालिक साहेब दयाल सिंह ने बताया कि मुझे लगा खेत से चने उखाड़ने वाले आए हैं। नींद खुली तो देखा,वे बंदूक तानकर खड़े थे। जिसे लेकर चिकसील बाजार की सारी दुकानें बंद रहीं, सिर्फ मेडिकल स्टोर खुला रहा। विनय कुमार ने कहा कि यह डकैती थी। मकान मालिक को बंधक बनाया, ग्रामीण को बंद किया और गैस कटर से तिजोरी काटी। जब तक सुरक्षा नहीं, दुकानें बंद रखेंगे। व्यवसाईयों का कहना है कि लूट की रात सूचना मिलने पर पुलिस नहीं पहुंची, सुबह खानापूर्ति कर चली गई। बाजार बंद होने पर भी थाने से कोई पूछताछ नहीं हुई। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि पुलिस जांच में जुटी है। डीआईयू और डॉग स्क्वाड की टीमें चिकसील पहुंची हैं। जल्द गिरफ्तारियां होंगी।ग्रामीणों और व्यवसाईयों में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने चोरों की तत्काल गिरफ्तारी और बाजार की सुरक्षा की मांग की है। घटना से इलाके में दहशत फैल गई है।

अनियंत्रित ट्रक ने दो छात्रों को मारी टक्कर,एक की मौत, दुसरी जख्मी

केटी न्यूज/रोहतास

थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाली एन एच 319 के परमेश्वरपुर गांव के समीप मंगलवार को ट्रक के चपेट में आने से दो छात्रा बुरी तरह से जख्मी हो गईं। जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से सीएचसी दावथ लाया गया। जहां चिकित्सकों ने बतसा निवासी अरूण कुमार कुशवाहा की 13 वर्षीय पुत्री नंदनी कुमारी को मृत घोषित कर दिया। जबकि वहीं की अबीता कुमारी उम्र 12 वर्ष पिता कुलेश्वर पासवान गंभीर रूप से जख्मी होने के कारण बेहतर इलाज हेतु बाहर रेफर कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष मनीष कुमार पंजियार ने बताया कि मंगलवार को बतसा गांव के अरूण कुमार कुशवाहा की पुत्री नंदनी कुमारी और कुलेश्वर पासवान पुत्री अबीता कुमारी ट्यूशन पढ़ने मलियाबाग जा रही थी। तभी एनएच परमेश्वर पुर गांव के समीप 319 पर ज्यों ही चढ़ी की पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया और भाग गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों घायल छात्राओं को सीएचसी लाया गया। जहां नंदनी की मृत्यु होने की पुष्टि चिकित्सकों ने किया। जबकि गंभीर रूप से घायल अबीता कुमारी को गम्भीर हालत में होने के कारण प्राथमिक उपचार कर रेफर कर दिया गया। वहीं मृतका छात्रा के शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु सासाराम भेज दिया गया है। पुलिस ट्रक को खोजबीन करने हेतु सभी थानों को सूचना भेज दिया है। वहीं घटना से आहत लोगों द्वारा अधिकांश दुकानें बंद कर दिया।

एक नजर

कोऑपरेटिव में हेराफेरी को लेकर देर रात तक लगा रहा पैक्स अध्यक्षों का जमावड़ा

सासाराम। जिला के सासाराम मुख्यालय स्थित जिला कोऑपरेटिव परिसर में मंगलवार की देर शाम पैक्स अध्यक्षों प्रकाश तिवारी, संजय कुमार राय ने अधिकारियों पर पैसे लेकर धान खरीद लक्ष्य में हेरफेर करने का गंभीर आरोप लगाया है बताया गया कि कई पैक्स अध्यक्षों ने आरोप लगाया कि कोऑपरेटिव कर्मचारी चंद्रप्रकाश जो लेन-देन कर लक्ष्य को मनमाने ढंग से बढ़ा-घटा रहे हैं। इसको लेकर मौके पर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही।गारा पंचायत से आए किसान कृष्णानंद मिश्रा ने वीडियो बयान में कहा कि पैसे के आधार पर लक्ष्य बढ़ाया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पैक्स अध्यक्ष जब धान खरीद से संबंधित कागजात जमा करने पहुंचे तो उन्हें रोक दिया गया। विरोध करने पर उनके साथ और उनके पैक्स अध्यक्ष के साथ मारपीट पर लोग उतारू हो गए। जिसके बाद वे लोग किसी तरह जान बचाकर वहां से निकले।वहीं, आरोपों को लेकर संबंधित अधिकारी पल्ला झाड़ते नजर आए और किसी भी तरह की अनियमितता से इनकार किया।गौरतलब है कि 31 मार्च धान खरीदारी की अंतिम तिथि है। ऐसे में एक दिन पहले देर रात तक पैक्स अध्यक्षों का कोऑपरेटिव परिसर में जुटना पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

शतचंडी हनुमत और मां काली प्रतिष्ठात्मक यज्ञ के लिए हुआ ध्वजारोपण

बिक्रमगंज। प्रखंड क्षेत्र के मानपुर में आयोजित छः दिवसीय प्रतिष्ठात्मक यज्ञ के लिए मंगलवार को ध्वजारोपण किया गया। इसके लिए यज्ञ स्थल मां काली मंदिर प्रांगण से ग्रामीणों द्वारा आचार्य रमेश मिश्रा मृदुल के सानिध्य में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। गांव के विभिन्न गलियों का भ्रमण करते हुए वैदिक मित्रों के साथ आचार्य श्री द्वारा ध्वजारोपण कराया गया। यज्ञ समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने बताया कि मां काली मंदिर का नव निर्माण कराया गया है। जिसमें पिंडी प्राण प्रतिष्ठा के लिए भव्य यज्ञ का आयोजन रखा गया है। शतचंडी सह हनुमत एवं मां काली प्रतिष्ठात्मक यज्ञ आगामी 8 मई से 13 मई तक किया जाएगा। इस दौरान संध्या समय में अयोध्या, वाराणसी एवं हरिद्वार से आए कथावाचकों द्वारा संगीत में कथा वाचन किया जाएगा। 14 मई को भव्य भंडारा के साथ यज्ञ संपन्न की जाएगी। मौके पर अंकित महाजन,निशु कुमार सिंह,धीरज राय,गुड्डू राय,बिट्टू कुमार पटेल,तिलक चौधरी , जोगेन्द्र कुमार चौधरी,ताराशंकर पासवान,मनोज पासवान,गौरी शंकर शाह सहित कई ग्रामीण शामिल है।

प्रेमी-प्रेमिका फरार मामलें प्राथमिकी दर्ज

कोचस। थाना क्षेत्र से एक प्रेमी प्रेमिका को फरार होने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है।इस मामले में प्रेमी प्रेमिका के अभिभावकों द्वारा दोनों तरफ से स्थानीय थाना में एफआईआर दर्ज करायी गयी। जिसमें पुलिस से हस्तक्षेप कर प्रेमी प्रेमिका को बरामद करने की गुहार पुलिस से लगायी गयी है। बताया गया है कि प्रेमिका शहर के वार्ड चार निवासी बतायी गयी है। जबकि प्रेमी शहर के ही सोलह वार्ड के निवासी हैं। दोनों का प्रेम परवान चढ़ते हैं। दोनों प्रेमी प्रेमिका मौका पाकर फरार होने में सफल रहे।दोनों एक ही समुदाय के बताये जा रहे हैं। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि प्रथम द्दष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग का है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई करने में जुट गयी है।

पुलिस ने गेहूं के खेत से किया शव बरामद, जांच शुरू

कोचस। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के बहटुटीयां रोड स्थित गेहूं के खेत से एक 40 वर्षीय व्यक्ति का शव मंगलवार की सुबह बरामद किया है। शव मिलने की खबर लोगों में आग की तरह फैल गई जहां धीरे-धीरे घटना स्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मृतक की पहचान नासरीगंज थाना क्षेत्र के पवनी गांव निवासी साहेब डोम के रूप में हुई है। घटना के बारे में बताया जाता है कि कोचस नगर पंचायत के बहटुटीयां रोड के तरफ सुबह लोग टहलने गए थे जहां देखा कि एक व्यक्ति का शव गेहूं के खेत में पड़ा हुआ है, तभी स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना थाने को दी जहां सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है। इस संदर्भ में थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि पुलिस शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए परिजनों को सौंप सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है, पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणो का स्पष्ट पता चल पाएगा। बताया जाता है कि मृतक कुछ नहीं से कोचस नगर पंचायत के स्टेट हाईवे पॉवरहाउस स्थित अपने रिश्तेदारी मे रह रहा था जहां बीती रात गायब होने के बाद आज शव खेत से बरामद हुआ है।

एसपी के दरबार में फरियादियों की उमड़ी भीड़

डेहरी। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक, रोहतास द्वारा पुलिस कार्यालय डेहरी में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जहां जिले के कोने-कोने से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं सीधे एसपी के समक्ष रखीं। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को नजरअंदाज न किया जाए। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जनता दरबार में जमीन विवाद, आपसी झगड़े,मारपीट और अन्य सामाजिक मामलों की भरमार रही। कई मामलों में मौके पर ही कार्रवाई के आदेश दिए गए, जिससे फरियादियों में उम्मीद जगी। यह जनता दरबार आम लोगों के लिए राहत भरा साबित हुआ,जहां उन्हें सीधे अपनी बात रखने और समाधान की उम्मीद मिली।

लालच : विद्यालय शिक्षक के अवैध 50 गैस सिलेंडर के साथ कालाबाजारी करते गिरफ्तार

- **पुलिस ने सरकारी शिक्षक सहित दो को किया गिरफ्तार**

केटी न्यूज/नवादा

प्रखंड क्षेत्र के मुरहेना पंचायत में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। इस मामले में दो आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया है। कार्रवाई खाद्य एवं आपूर्ति विभाग और रजौली थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई।जानकारी के अनुसार ग्रामीणों से लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी अजीत कुमार और सिरदला आपूर्ति पदाधिकारी नितेश कुमार के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया। टीम ने पुलिस के सहयोग से मुरहेना पंचायत के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान राजू साव के पास से 40 खाली गैस सिलेंडर तथा भारत कंपनी के 7 भरे हुए घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। वहीं शकील आरजू उर्फ गुड्डू के यहां से 3 खाली गैस सिलेंडर मिले। इस तरह कुल 50 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। सभी सिलेंडरों को कब्जे में लेकर प्रशासन ने आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार जांच में यह बात सामने आई है कि घरेलू उपयोग के लिए मिलने वाले गैस सिलेंडरों को अवैध रूप से जमा कर ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा था। आरोप है कि इस पूरे अवैध कारोबार का संचालन गुड्डू खान नामक व्यक्ति द्वारा किया जा रहा था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मौके से सिलेंडरों के साथ कुछ अन्य संबंधित सामग्री भी बरामद की गई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से गैस एजेंसी से जुड़े कुछ लोगों की मिलीभगत से यह कालाबाजारी चल रही थी। इसके कारण आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल पाता था और उन्हें अधिक कीमत देकर सिलेंडर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता था। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और लोगों ने प्रशासन की पहल की सराहना की है।

विद्यालय के छात्रों का भविष्य संवारा ही शिक्षकों का मुख्य लक्ष्य : अखिलेश

केटी न्यूज/रोहतास

थाना क्षेत्र के शिवपुर पंचायत के राजकीय मध्य विद्यालय में 1से 8 वर्ग के छात्रों के वितरण किया गया वार्षिक परीक्षा का अंक प्रमाण पत्र। इस अवसर पर सोमवार को विद्यालय परिसर में अभिभावक व शिक्षकों के बीच एक संगोष्ठि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मौके पर प्रधानाध्यापक अखिलेश कुमार के नेतृत्व में 2026 वार्षिक परीक्षा के नामांकित

1 से 8 वर्ग तक के सभी छात्र-छात्राओं का रिजल्ट वितरण किया गया। इसके बाद विद्यालय के छात्रों के बीच वार्षिक परीक्षा के अंक प्रमाण पत्र के साथ उन्हें सम्मानित किया गया। मौक पर अव्वल आए प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रा में मध्य विद्यालय प्रांगण में उनकी सम्मान सह विदाई समारोह के साथ समस्त विद्यालय परिवार ने उनके भविष्य की कामना की। उक्त मौके पर प्रधानाध्यापक अखिलेश कुमार ने विद्यालय के बच्चों की सफलता पर उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हमारा एक ही लक्ष्य है कि विद्यालय में नामांकित सभी छात्र-छात्रों में शिक्षा का अलख जगा उनके उज्जवल भविष्य को शिक्षकों के मार्ग दर्शक में बेहतर संवरना है। मौके पर वर्ग 8 शिक्षक पवन कुमार, नन्द कुमार राय, ओम प्रकाश सिंह, रामेश्वर सिंह, प्रभावती कुमारी, ज्योति कुमारी, राहुल देव,अभिषेक कुमार, रविंद्र कुमार, सरोज कुमार गोस्वामी, प्रेमचंद कुमार पूर्व सरपंच सुरेन्द्र सिंह सहित सभी विद्यालय कर्मी उपस्थित थे।

सीएम नीतीश के दौरे का असर : रातों-रात चमकी सड़कें, वर्षों की समस्या तीन दिन में हल

एजेंसी। पटना

वैशाली महोत्सव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन से पहले वर्षों से जर्जर सड़कों की आनन-फानन में मरम्मत शुरू कर दी गई है। प्रशासन के दबाव में तेजी से काम तो हो रहा है, लेकिन गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वैशाली महोत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आज शाम को वैशाली पहुंच रहे हैं। उनके आगमन से पहले जिला प्रशासन युद्धस्तर पर सड़कों की मरम्मत करवा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक दशक बाद तीन दिवसीय वैशाली महोत्सव में शामिल होने आ रहे हैं। जिला मुख्यालय हाजीपुर से लेकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने वाली सड़कें लंबे समय से जर्जर हालत में थीं। इन खराब सड़कों के कारण कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, लेकिन पहले इनकी मरम्मत नहीं कराई गई थी। अब मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर इन सड़कों का कायाकल्प होता दिख रहा है। जिला प्रशासन के सख्त निदेशों पर सड़क निर्माण कंपनियों और ठेकेदारों द्वारा दर्जनों मजदूरों को लगाकर तेजी से गड्ढे भरने का काम किया जा रहा है। हाजीपुर मुख्यालय से वैशाली की दूरी लगभग 20 से 25 किलोमीटर है। इस मार्ग पर कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे थे, जिससे छोटे-बड़े वाहनों के आवागमन में काफी परेशानी होती थी। मरम्मत कार्य में जेसीबी और रोड रोलर जैसी मशीनें तेजी से लगाई गई हैं। हालांकि, स्थानीय निवासियों द्वारा इस मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

पिछले तीन दिनों से जारी है मरम्मत का काम

सड़क मरम्मत कार्य में लगे जेसीबी मशीन चालक अंशु कुमार ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के वैशाली आगमन के कारण ही इन जर्जर सड़कों की मरम्मत की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि वैशाली के कार्यक्रम स्थल से लेकर हाजीपुर मुख्यालय तक की जर्जर सड़कों की मरम्मत पिछले तीन दिनों से जारी है। अंशु कुमार के अनुसार, मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने में अब कुछ ही समय शेष है। इसलिए जहां तक संभव हो, जर्जर सड़कों की मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जा रहा है।

नालंदा में मंदिर प्रबंधन की लापरवाही से हुआ हादसा एसएचओ सस्पेंड, डीजीपी ने घटनास्थल का किया मुआयना

एजेंसी। पटना

नालंदा जिले के प्रसिद्ध शीतलामाता मंदिर में हुए दर्दनाक हादसे के बाद बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक और मंदिर प्रबंधन की लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण बताया। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दीपनगर थाना प्रभारी (रल्ड) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। डीजीपी ने स्पष्ट कहा कि इतने बड़े आस्था केंद्र पर भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस की पर्याप्त और प्रभावी व्यवस्था नहीं थी, जो बेहद गंभीर और अक्षम्य लापरवाही है। उन्होंने कहा कि ऐसी जगहों पर सुरक्षा प्रबंधन का मजबूत होना अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने मंदिर की संरचना पर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि मंदिर की सीढ़ियों में अत्यधिक ढलान है, जिससे भीड़ के दबाव में किसी के फिसलने से भगदड़ की स्थिति बन सकती है। उन्होंने इसे दुर्घटना का एक अहम कारण माना। एडीजीपी विनय कुमार ने मंदिर प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उनका ध्यान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के बजाय केवल दान और दक्षिणा पर केंद्रित रहा। उन्होंने कहा कि यह रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीजीपी ने न्यास परिषद के अध्यक्ष रणबीर नंदन से चर्चा के दौरान कहा कि जहां हजारों की भीड़ जुटती है, वहां प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं का अभाव बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने इसे तुरंत सुधारने के निर्देश दिए। स्थानीय लोगों द्वारा पुजारियों पर दक्षिणा के लालच में श्रद्धालुओं को अनावश्यक रूप से रोकने के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए डीजीपी ने कहा कि इस पूरे मामले की गहन जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक उजागर

डीजीपी ने स्पष्ट कहा कि इतने बड़े आस्था केंद्र पर भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस की पर्याप्त और प्रभावी व्यवस्था नहीं थी, जो बेहद गंभीर और अक्षम्य लापरवाही है। उन्होंने कहा कि ऐसी जगहों पर सुरक्षा प्रबंधन का मजबूत होना अनिवार्य है।

मंदिर के ढांचे पर भी उठे सवाल

निरीक्षण के दौरान डीजीपी ने मंदिर की संरचना पर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि मंदिर की सीढ़ियों में अत्यधिक ढलान है, जिससे भीड़ के दबाव में किसी के फिसलने से भगदड़ की स्थिति बन सकती है। उन्होंने इसे दुर्घटना का एक अहम कारण माना।

एक नजर

पटना में परिवहन विभाग की सख्ती: 800 से अधिक बीएच सीरीज वाहनों पर जुर्माना

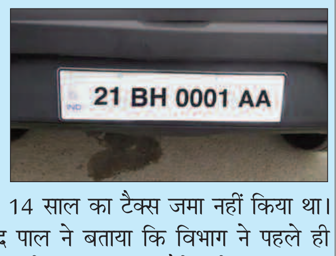

पटना। पटना जिला परिवहन कार्यालय ने बीएच सीरीज वाले 800 से अधिक वाहनों के मालिकों पर टैक्स जमा न करने के कारण 2,500 रुपये प्रति वाहन का जुमार्ना लगाया है। इन वाहनों के मालिकों ने एक साथ 14 साल का टैक्स जमा नहीं किया था। जिला परिवहन पदाधिकारी उपेंद्र पाल ने बताया कि विभाग ने पहले ही पर्याप्त समय दिया था और पंजीकृत मोबाइल नंबर पर मैसेज भेजकर सूचना दी गई थी। इसके बावजूद टैक्स न जमा करने वालों पर कार्रवाई की गई। यह कदम बिहार सरकार द्वारा 22 जुलाई 2024 को जारी गजट के निदेशों के तहत लिया गया। गजट के अनुसार, बीएच सीरीज के उन वाहन मालिकों को 60 दिन में बकाया 12 साल का टैक्स जमा करना अनिवार्य था। साथ ही, परिवहन विभाग ने बिना वैध परमिट या परमिट फेल वाहनों के खिलाफ भी अभियान चलाया। इस दौरान 575 वाहनों को चिन्हित किया गया और प्रत्येक पर 12,500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। विभाग ने चेतावनी दी है कि आगे भी ऐसी जांच और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे समय पर टैक्स जमा करें और अपने वाहन के सभी दस्तावेज अपडेट रखें। यह कार्रवाई वाहन मालिकों को अनुशासन में लाने और राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

बेगूसराय में युवक की निर्मम हत्या, पहचान मिटाने के लिए चेहरे पर डाला एसिड

बेगूसराय। बेगूसराय के नावकोठी प्रखंड के महेशवाड़ा पंचायत स्थित बेमानी (सेहमानी) गाछी में मंगलवार को एक युवक की निर्मम हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया। बौद्ध सिंह प्लस टू स्कूल पहसारा-वभनगामा के समीप एक डेरा से 21 वर्षीय मोनू कुमार का शव बरामद किया गया। मृतक पहसारा वार्ड-11 निवासी मंटून झा का पुत्र था और उसने इसी वर्ष इंटर की परीक्षा पास की थी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मो. फिरदौस, एसआई विश्वजीत कुमार, रंजीत कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटनास्थल का मंजर बेहद भयावह था। युवक के चेहरे को ईंट-पत्थर से बुरी तरह कुचल दिया गया था और पहचान छिपाने के लिए उस पर एसिड भी डाला गया था। गले में गमछा बंधा हुआ था, जबकि हाथ-पैर बांधे जाने के भी संकेत मिले हैं। पास में शराब की बोतल, गिलास और चप्पल भी बरामद हुए हैं। परिजनों के मुताबिक, मोनू सोमवार दोपहर करीब 3 बजे मेला देखने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। मृतक के चाचा रिंकू कुमार झा ने गांव के ही कुछ युवकों पर हत्या का आरोप लगाते हुए बताया कि उसे पहले से जान से मारने की धमकी मिल रही थी। मुखिया अजय सहनी ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस को बुलाया गया। मौके पर एसपी मनीष, डीएसपी कुंदन कुमार और सर्किल इंस्पेक्टर रामकुमार सिंह ने भी पहुंचकर जांच की। स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक पहले शराब के अवैध कारोबार में संलिप्त था और हाल ही में जेल से छूटकर आया था।

सीएम योगी की मां पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला मौलाना अरेस्ट, यूपी एसटीएफ ने बिहार से दबोचा

एजेंसी। पटना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के मामले में मौलाना अब्दुल्ला सालिम चतुर्वेदी कासमी को यूपी एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे सोमवार को बिहार के पूर्णिया जिले के अमौर थाना क्षेत्र के दलमालपुर से पकड़ा गया। फिलहाल उससे गोरखपुर में पूछताछ की जा रही है। मौलाना कासमी अररिया जिले के जोकीहाट थाना क्षेत्र के पथराबाड़ी गांव का निवासी है। जानकारी के अनुसार, रमजान के दौरान उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उसने बिहार में एक तकरीर के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इस मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के 84 से अधिक थानों में मौलाना के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई गईं, जबकि कई जगह एफआईआर भी दर्ज हुई हैं। पूछताछ के दौरान उसके बयान के उद्देश्य, पृष्ठभूमि और संभावित साजिश के पहलुओं की जांच की जा रही है। अररिया के जोकीहाट थानाध्यक्ष राजीव कुमार झा ने भी पुष्टि की है कि एसटीएफ टीम मौलाना को अपने साथ ले गई है। अब्दुल्ला सालिम, रिटायर्ड मदरसा शिक्षक मो. कमरुल होदा के बड़े बेटे हैं। उन्होंने दारुल उलूम देवबंद से इस्लामिक शिक्षा प्राप्त की है और संस्कृत व्याकरण का भी अध्ययन किया है। उन्होंने चारों वेदों का अध्ययन करने के कारण ह्यचतुवेर्दीह्ल की उपाधि हासिल की। मौलाना कासमी बिहार की राजनीति में भी सक्रिय रहा है। वह पहले असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से जुड़ा था, लेकिन वर्ष 2025 में जोकीहाट विधानसभा सीट से टिकट नहीं मिलने पर पार्टी छोड़ दी। इसके बाद वह प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हो गया। उसने विधानसभा चुनाव में जोकीहाट से नामांकन भी दाखिल किया था, लेकिन उसका नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया था।

डीआरडीए के निदेशक के ठिकाने पर एडव की छापेमारी भ्रष्टाचार कर आय से 2.41 लाख करोड़ कमाने का आरोप

एजेंसी। पटना

बिहार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम ने एक भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुजफ्फरपुर के निवासी और वर्तमान में सहरसा के डीआरडीए निदेशक वैभव कुमार के घर और कार्यालय सहित कई ठिकानों पर छापेमारी की है। इस कार्रवाई से सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया है। मंगलवार सुबह अचानक पहुंची ईओयू की टीम ने एक साथ छापेमारी शुरू की। जानकारी के अनुसार, वैभव कुमार के कुल छह अलग-अलग ठिकानों पर कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि उनके खिलाफ 2 करोड़ 41 लाख 14 हजार रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज है, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। ईओयू की टीम मुजफ्फरपुर और सहरसा स्थित उनके आवासों और अन्य ठिकानों पर जांच में जुटी है। वैभव कुमार मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र के मिश्रा मनियारी गांव के निवासी हैं। उनके पैतृक घर के अलावा उनके निजी कॉलेज में भी छापेमारी चल रही है। इसके साथ ही अन्य स्थानों पर भी आर्थिक अपराध इकाई की कार्रवाई जारी है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद इलाके में चर्चा का माहौल गर्म है। बताया जाता है कि वैभव कुमार के पिता मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट में वरीय अधिवक्ता हैं, जबकि उनकी पत्नी चांदनी कुमारी प्राध्यापिका हैं। इसके अलावा उनका एक आईटीआई कॉलेज भी है, जो मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर एनएच-28 पर मनियारी थाना क्षेत्र के पास स्थित है। टीम सुबह से ही कार्रवाई में जुटी हुई है और संपत्ति से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए जा रहे हैं। साथ ही, घर और कॉलेज परिसर में गहन जांच कर संपत्ति से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। गौरतलब है कि वैभव कुमार बीपीएससी से चयनित अधिकारी हैं और कई जिलों में बीडीओ के पद पर कार्य कर चुके हैं। उनका छोटा भाई आईटीआई कॉलेज का संचालन करता है और वहीं निदेशक के रूप में कार्यरत है।

पटना में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई 128 नशीले इंजेक्शन के साथ 2 गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बिहार में 10 साल से शराबबंदी लागू है। शराब बंद होने के बाद सुखा नशा का प्रचलन काफी बढ़ गया है। बिहार का ऐसा कोई इलाका नहीं बचा है जहां स्मैक, अफीम, गांजा, ड्रग्स, सुलेशन, व्हाइटनर, नशीला इंजेक्शन का सेवन लोग नहीं करते होंगे। नशेड़ियों ने बिहार को उड़ता पंजाब बना दिया है। हालांकि पुलिस नशे के कारोबारियों पर नकेल कसने का काम भी कर रही है। पटना में नशे के कारोबारियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। 128 नशीले इंजेक्शन के साथ 2 धंधेबाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पटना में अवैध नशीली दवाओं के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। चित्रगुप्तनगर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर पुलिस ने नशीले इंजेक्शन की बिक्री कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि राजेन्द्रनगर सब्जी मंडी पुल के नीचे कुछ लोग अवैध रूप से नशीली दवाओं की बिक्री कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) की निगरानी में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की, जहां से 128 पीस नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए। कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। फिलहाल मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी है। इस संबंध में नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) परिचय कुमार ने प्रेस को जानकारी देते हुए कहा कि नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। वही पटना पुलिस ने दूसरी कार्रवाई गौरीचक में की है. पटना पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी चोट करते हुए एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। गौरीचक थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में भारी मात्रा में कोडिन युक्त कफ सिरप बरामद किया गया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग स्कॉर्पियो समेत अन्य वाहनों से अवैध नशीली दवाओं की खेप ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) की निगरानी में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

बिहार के 18 जिलों में मौसम विभाग का अलर्ट : आंधी-बारिश के साथ वज्रपात की चेतावनी

एजेंसी। पटना

बिहार में अब बारिश थमने के बाद गर्मी बढ़ेगी. अगले कुछ दिनों में कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार जाने की संभावना जताई जा रही है. इधर मौसम विभाग ने 18 जिलों में मौसम विभाग ने आंधी-बारिश के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की है. बिहार में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा था। कहीं बारिश, कहीं तेज हवाएं और गरज-चमक ने लोगों को गर्मी से राहत दी, लेकिन अब मौसम साफ और शुष्क होने की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आने वाले दिनों में बारिश का दौर थम जाएगा और दिन में तेज धूप के कारण गर्मी बढ़ेगी, जबकि सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी रह सकती है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पूर्व बिहार के सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा और सहरसा, दक्षिण-पूर्व के भागलपुर, बांका, मुंगेर, खगड़िया और जमुई, तथा दक्षिण-पश्चिम बिहार के बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ (कैमूर), औरंगाबाद और अरवल जिलों में मौसम अचानक बदल सकता है। इन क्षेत्रों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 31 मार्च को राज्य के अधिकांश हिस्सों में सुबह और रात के समय हल्की ठंडक बनी रहेगी, जबकि दिन में धूप तेज रहेगी। राजधानी पटना में अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री दर्ज किया गया, जिससे दिन में गर्मी का असर महसूस हुआ।मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों में तापमान 1 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। इसके बाद 4 अप्रैल से राज्य के कई हिस्सों में फिर से आंधी और बारिश के आसार बन रहे हैं, जिससे तापमान में गिरावट हो सकती है। इस बीच, राज्य के कई जिलों में तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है, जहां किशनगंज में तापमान 39.1 डिग्री तक पहुंच गया। फिलहाल बिहार का अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री से 37.5 डिग्री के बीच बना हुआ है। 1 अप्रैल को रोहतास, भोजपुर, भभुआ, बक्सर, अरवल और औरंगाबाद जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, अप्रैल की शुरूआत के साथ ही तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। अगले 3 से 5 दिनों में कई जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है, जिसमें गया, औरंगाबाद, रोहतास, पटना और भोजपुर सबसे पहले प्रभावित हो सकते हैं।

खगड़िया में गंगा कटाव रोकने के लिए लोगों ने किया उपवास, महिलाओं ने की गंगा मईया की पूजा

एजेंसी। पटना

खगड़िया सदर प्रखंड में गंगा के कटाव को रोकने और स्थायी समाधान की मांग को लेकर पांच पंचायतों के सैकड़ों लोगों ने एक दिवसीय उपवास किया। महिलाओं ने गंगा की पूजा-अर्चना कर दुआ मांगी। गंगा नदी में लगातार बढ़ रहे भूमि कटाव को रोकने और स्थायी समाधान की मांग को लेकर खगड़िया सदर प्रखंड के मथार नाव घाट पर आज सैकड़ों लोगों ने एक दिवसीय उपवास किया। इस प्रदर्शन में खगड़िया के रहीमपुर उत्तरी, रहीमपुर दक्षिणी और रहीमपुर मध्य पंचायतों के लोग, राजनीतिक दलों के नेता और समाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। स्थानीय महिलाओं ने गंगा के किनारे जाकर गंगा मैया की पूजा-अर्चना की और कटाव रोकने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि मथार दियारा इलाके में हुए कटाव से अब तक सैकड़ों एकड़ कृषि योग्य भूमि गंगा में समा गई है। इससे कई गांवों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। उपवास और प्रदर्शन में शामिल लोगों ने सरकार से अपील की कि गंगा में कटाव रोकने और भूमि के स्थायी संरक्षण के लिए तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि खगड़िया सदर प्रखंड की तीन पंचायतों के हजारों लोग इस समस्या से प्रभावित हो रहे हैं और अब और इंतजार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।